

यूटीयू के छात्रों को मिलेंगे नए अवसर

शाह टाइम्स प्रमुख संवाददाता देहरादून। उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (यूटीयू) ने अपने परिसर में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया, जिसकी अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओंकार सिंह ने की। इस बैठक में विश्वविद्यालय के शैक्षिक सत्र 2025-26 के लिए प्रवेश प्रक्रिया, शैक्षणिक कैलेंडर और प्लेसमेंट पोर्टल जैसे अहम मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई।

सत्र 2025-26 के लिए प्रवेश प्रक्रिया में महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। अब विश्वविद्यालय ने पहले चरण में प्रोविजनल पंजीकरण की प्रक्रिया को अपनाने का निर्णय लिया है। इस प्रक्रिया के तहत, योग्य अभ्यर्थी विश्वविद्यालय के पोर्टल पर अपने पसंदीदा कॉलेज और ब्रांच का चयन कर सकते हैं।

हालांकि, यह पंजीकरण प्रवेश की अंतिम प्रक्रिया नहीं होगी। प्रोविजनल पंजीकरण करने के बाद छात्रों को आगामी

ऑनलाइन काउंसलिंग प्रक्रिया में भाग लेना होगा, जो एआईसीटीई और फार्मसी काउंसिल जैसी नियामक संस्थाओं की और से निर्धारित शेड्यूल के अनुसार आयोजित की जाएगी। विश्वविद्यालय ने छात्रों को सलाह दी है कि वे अधिक से अधिक विकल्प भरें, ताकि सीट आवंटन की संभावना बढ़ सके। छात्रों को यह ध्यान रखना होगा कि वे अपने इच्छित संस्थान और ब्रांच को ही प्राथमिकता दें। इस बदलाव से छात्रों को प्रवेश प्रक्रिया में अधिक पारदर्शिता और आसानी मिलेगी।

इस महत्वपूर्ण बैठक में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. सत्येंद्र सिंह, परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनय कुमार पटेल और विश्वविद्यालय के सभी संस्थानों के निदेशक भी उपस्थित थे। इस बैठक में ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से सभी संस्थाओं के निदेशकों ने अपनी भागीदारी दर्ज की।

शैक्षणिक कैलेंडर का ऐलान बैठक में विश्वविद्यालय की और से

आगामी शैक्षिक सत्र 2025-26 के लिए शैक्षणिक कैलेंडर भी जारी किया गया। इसके तहत, 5 अगस्त 2025 से नए सत्र की कक्षाएं प्रारंभ करने का निर्णय लिया गया है। सभी संबंधित संस्थाओं से इस संबंध में मतव्य मांगे गए हैं, ताकि अंतिम शेड्यूल तैयार किया जा सके और 5 अगस्त को कक्षाओं का प्रारंभ हो सके।

नवीन प्लेसमेंट पोर्टल का शुभारंभ

विश्वविद्यालय ने अपने छात्रों के लिए एक नया प्लेसमेंट पोर्टल भी लॉन्च किया है। यह पोर्टल छात्रों को उनके क्षेत्र में करियर के अवसरों से जोड़ने का एक बेहतरीन मंच प्रदान करेगा। इस पोर्टल पर छात्र अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे, और इसके बाद कंपनियां इन छात्रों से सीधे संपर्क कर उनकी प्लेसमेंट प्रक्रिया को शुरू करेंगी। इस कदम से विश्वविद्यालय के छात्रों को बेहतर नौकरी के अवसर मिलेंगे और उद्योग जगत से सीधा संपर्क स्थापित होगा।